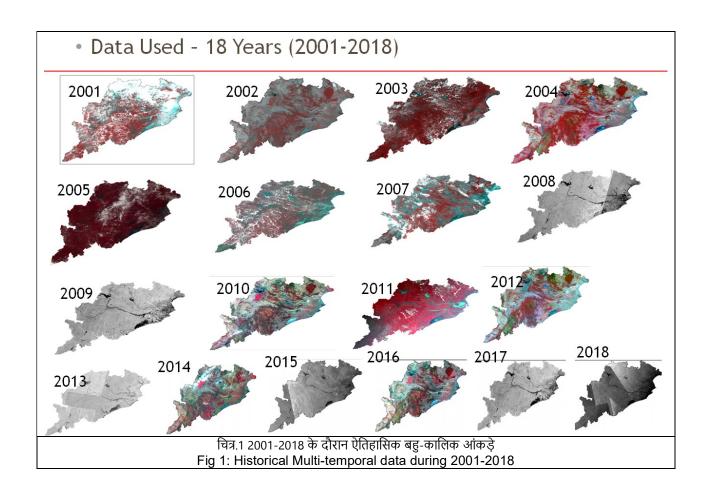
बाढ़ के जोखिम वाले क्षेत्रों के एटलस का विमोचन - ओड़िशा राज्य

Release of Flood Hazard Atlas - Odisha State

बाढ़ दुनिया भर में लोगों को प्रभावित करने वाली सबसे गंभीर आपदाओं में से एक है। भारत, अपनी भौगोलिक स्थिति, जलवायु और भूवैज्ञानिक स्थिति के कारण, दिक्षण-एशियाई क्षेत्र में आपदा का सबसे बुरी तरह से प्रभावित केंद्र है, जो इसे कई प्राकृतिक खतरों, विशेष रूप से बाढ़ के लिए असुरक्षित बनाता है। राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केन्द्र, हैदराबाद में स्थित निर्णय सहायता केंद्र (DSC) पिछले दो दशकों से बाढ़, चक्रवात, वन की आग, भूकंप और भूस्खलन की निगरानी और मानचित्रण कर रहा है। बाढ़ के निम्नीकरण के उपायों के भाग के रूप में, निर्णय सहायता केन्द्र, एनआरएससी ने आईआरएस और विदेशी उपग्रह आंकड़ासैटों दोनों के ऐतिहासिक बहु-कालिक उपग्रह आंकड़ासैटों के उपयोग से ओडिशा राज्य के लिए एक बाढ़ के जोखिम का सीमांकन दर्शाते हुए एटलस तैयार किया है। 2001- 2018 के बाढ़ के मौसम के दौरान लगभग 100 ऑप्टिकल और सूक्ष्मतरंग उपग्रह आंकड़ासैट अर्जित किए हैं जिन्हें बाढ़ के जोखिम का एटलस तैयार करने के लिए लिया गया है जैसा कि चित्र 1 में दिखाया गया है।

Flood is one of the most severe disasters affecting the people across globe. India, on account of its geographical position, climate and geological setting, is the worst affected centre of disaster in the South-Asian region, making it vulnerable to many natural hazards, particularly to floods. Decision Support Centre (DSC) situated at National Remote Sensing Centre, Hyderabad has been monitoring and mapping floods, cyclones, Forest Fires, Earthquakes and landslides for the past two decades. As part of flood mitigation measures, DSC, NRSC has prepared a Flood hazard Zonation Atlas for Odisha State using the historical multi-temporal satellite datasets comprising of both IRS and foreign satellite datasets. A total of about 100 optical and microwave satellite datasets acquired during the flood seasons of 2001- 2018 were considered for preparing the flood hazard atlas as shown in Fig 1.



विभिन्न वर्षों (2001-2018) से संबंधित अधिकतम बाढ़ की परतों को एकीकृत किया गया ताकि बाढ़ की आवृत्ति का आकलन किया करते हुए की बाढ़ के जोखिम की आगामी परतें तैयार की जा सकें। ओडिशा जिला के आंकड़ा आधार के साथ इस जोखिम का सीमांकन कर बाढ़ के खतरे के आँकड़े निकाले गए हैं। अध्ययन अविध (2001-2018) के दौरान ओडिशा राज्य के 30 जिलों में से 23 को बाढ़ प्रभावित देखा गया।

The maximum flood inundation layers corresponding to various years (2001-2018) were integrated for assessing the frequency of inundation and subsequent generation of hazard layer. This hazard zonation layer is integrated with the Odisha district database and the flood hazard statistics were derived. 23 out of 30 districts of Odisha state were observed to be flood affected during the study period (2001-2018).

इस प्रकार तैयार किए गए बाढ़ के जोखिम के एटलस को 22 जून, 2019 को ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक ने भुवनेश्वर में जारी किया।

The flood hazard atlas thus prepared is released (Fig 2) by Hon'ble Chief Minister of Odisha State Shri Naveen Patnaik at Bhubaneswar on June 22, 2019.



चित्र.2 बाढ़ के जोखिम वाले क्षेत्रों के एटलस का ओड़िशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक द्वारा विमोचन Fig 2 : Release of flood hazard atlas by Hon'ble Chief Minister of Odisha State Shri Naveen Patnaik

राज्य के कालानुक्रमिक बाढ़ प्रवण क्षेत्रों की पहचान करने और बाढ़ के खतरे वाले क्षेत्रों में विकासात्मक गतिविधियों को विनियमित करने के लिए एटलस राज्य के लिए एक प्रमुख संसाधन के रूप में काम करेगा। यह एटलस निर्णय निर्माताओं और नीति निर्माताओं को बाढ़ राहत और बचाव कार्यों को प्राथमिकता देने और बाढ़ राहत आश्रयों की पहचान करने के लिए काम करेगा। घटना को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और समाचार पत्रों द्वारा व्यापक रूप से आवृत्त किया गया था। आवरण का एक स्नैपशॉट चित्र 3 में दिखाया गया है।

The atlas would serve as a major resource for the state to identify chronically flood prone areas of the state and to regulate the developmental activities in flood hazard zones. This atlas would serve the decision makers and policy makers to prioritise the flood relief and rescue operations and also to identify flood relief shelters. The event was covered widely by electronic media and newspapers. A snapshot of the coverage is shown in fig 3

Naveen unveils flood hazard atlas



min twincity CM asks officials to remain prepared for possible floods Launches Flood Hazard Atlas prepared by NRSC Hyderabad, OSDMA

www.phdodisha.iv Cuttack, Sunday, June 23, 2019

Odisha uses satellite imagery to create unique flood hazard atlas

 $Aimed at tackling floods \, effectively, the \, system \, takes \, into \, account \, flood \, in undation \, data \, from \, 2001 \, to \, 2018$





चित्र.3 बाढ़ के जोखिम वाले क्षेत्रों का एटलस के विमोचन समारोह के संबंध में समाचार पत्रों का क्लिपिंग Fig 3: Newspaper clippings of Flood hazard atlas release function